DWSM–02

June – Examination 2022

Diploma in Watershed Management Examination

जल स्त्रोत प्रबंध में डिप्लोमा

(जल ग्रहण विकास गतिविधियाँ–आयोजना चरण)

Paper : DWSM-02

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **5×4=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (i) भू-क्षरण

   (ii) तलमापी के प्रकार

(iii) सहभागी ग्रामीण आकलन की आवश्यकता

(iv) सीढ़ीनुमा खेती

(v) अपवर्तक नालियाँ

(vi) रेशनल विधि से चरम अपवाह दर आकलन करने का सूत्र

(vii) प्रक्षेत्र जलाशय

(viii) गेहूँ की चार उन्नत किस्में

(ix) कलिकायन

(x) चिनाई संरचना (एनीकट)

खण्ड—ब **4×20=80**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2. कम्पास सर्वेक्षण की विधि बताइए।

3. मृदा उपयुक्तता वर्गीकरण पर टिप्पणी लिखिए।

4. टीबा स्थिरीकरण पर टिप्पणी कीजिए।

5. समोच्च पर मेड़बंदी को समझाइए।

6. क्षारीय भूमि को कृषि योग्य कैसे बनाया जाता है ?

7. सिल्वी पेस्टोरल पद्धति क्या है ?

8. चरागाह विकास कार्य कैसे किया जाता है ?

9. राजस्थान में जल ग्रहण क्षेत्रों की जल भूमि सम्बन्धी समस्याएँ बताइए एवं संभावित कार्यनीति प्रस्तावित कीजिए।